

महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य स्मृति ग्रन्थ (फोल्डर नं. ०२००५)

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

एक ज्ञानाराधक का स्मरण

सम्पादकीय वक्तव्यः

विषयानुक्रमणिका

खण्ड-१ – संस्मरण – आदराञ्जलि

राष्ट्र के सारस्वत जगत् के अग्रणी -----	१
माँ सरस्वती के वरदपुत्र -----	२
अपूर्व साहित्य सेवी-----	३
पूर्वाग्रह मुक्त विचार के धनी -----	४
स्याद्वाद विद्या के प्रकाशस्तम्भ -----	४
परम्परा और आधुनिकता के संगम -----	५
आशीर्वाद-----	५
साहित्य के मेरु शिखर -----	६
दर्शनशास्त्र के महान् विद्वान् -----	७
सम्पादन कला के आचार्य -----	७
दार्शनिक चिन्तन के मनीषी -----	७
एक प्रकाशमान नक्षत्र -----	८
सृजनात्मक प्रतिभा के धनी -----	१०
परिनिष्ठित विद्वान् -----	१०
अद्वितीय विद्वान् -----	१०
वे सदा चिरस्मरणीय रहेंगे -----	११
उनकी विद्वत्ता विरल थी -----	११
हार्दिक कामना -----	११
विनोदप्रिय महेन्द्रकुमार जी -----	१२
सन्देश -----	१२
सहाध्यायी और जैन न्याय-विद्यागुरु -----	१३
उत्कृष्ट क्षयोपशम के धनी -----	१४
प्रगतिशील विचारधारा के पोषक -----	१५
हार्दिक शुभकामना -----	१५
शुभकामना -----	१६
शुभकामना -----	१६
असाधारण विद्वान् -----	१६

भारतीय दर्शन के तलस्पर्शी विद्वान् -----	१६
बहुमुखी प्रतिभाके धनी -----	१७
सरस्वती के महान् उपासक -----	१८
असाधारण व्यक्तित्व के धनी -----	१९
अलौकिक प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व -----	१९
उत्कट मनीषा के धनी -----	२१
वे उद्भट विद्वान् थे -----	२२
अटूट तेजस्वी व्यक्तित्व -----	२२
प्रखर प्रतिभाशाली -----	२३
महान् दार्शनिक मनीषी -----	२४
वरिष्ठ एवं गरिष्ठ साहित्यसेवी -----	२५
निर्लिप्त साधक संत -----	२५
उनका गुणगान ही वास्तविक श्रुत-आराधना -----	२६
न्याय-जगत्के जाज्वल्यमान नक्षत्र -----	२६
जो सदा चमकते रहेंगे -----	२७
न्यायशास्त्र के अद्वितीय विद्वान् -----	२७
सादा जीवन और उच्च विचार के धनी -----	२७
इस शताब्दी के महान् विद्वान् -----	२८
शुभकामना -----	२८
महान् विभूति को शत शत शमन -----	२८
सरस्वती के उज्ज्वल प्रकाशमान पुञ्ज -----	२८
उच्चकोटि के विद्वान् -----	२९
बीसवी शताब्दी के प्रकाण्ड जैन दार्शनिक -----	२९
आशावादी बुद्धिवाद के जनक पण्डितजी -----	३०
शुभकामना -----	३०
श्रद्धा सुमन -----	३१
मेरी श्रद्धाके दर्पण -----	३१
अगाध पांडित्य के धनी-----	३२
बुन्द्रेलभूमि का अद्भुत लाल -----	३२
शुभकामना -----	३२
प्रखर चेतना और लेखनी के धनी -----	३३
जैनदर्शन साहित्य के अनन्य सेवक -----	३३
जिनवाणी माँ के अनन्य उपासक -----	३४
असाधारण व्यक्तित्व के धनी -----	३४
मार्गदर्शक दार्शनिक न्यायाचार्यजी -----	३५

हमारी आस्था के सुमेरु न्यायाचार्य -----	३६
शत् शत् नमन -----	३६
न्याय-शास्त्र के उदीयमान नक्षत्र -----	३७
शुभकामना -----	३७
शुभकामना -----	३७
श्रद्धाञ्जलि -----	३७
स्याद्वाद-शासन के सजग-आदर्श प्रहरी -----	३८
देखा तो नहीं, पर देख रहा हूँ उनको -----	३८
अनोखा व्यक्तित्व -----	३९
पण्डितजी स्वतंत्र चिन्क थे -----	३९
जैनदर्शन के आधुनिक मेरु -----	४०
डॉ. कोठिया जी से जो सुना, जो गुना-----	४०
मेरे विद्यागुरु -----	४१
गम्भीर अध्येता -----	४१
विद्वानेव विज्ञानाति विद्वज्जनपरिश्रमम् -----	४२
बचपन की कुछ यादें -----	४३
न्यायशास्त्र के तलस्पर्शी ज्ञाता -----	४४
स्मृति पत्राञ्जलि -----	४५
असाधारण विद्वताके धनी -----	४६
खण्ड-२ – जीवन परिचय – व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
पं. महेन्द्रकुमरा जैन न्यायाचार्य – एक परिचय -----	१
उन्हें वर्णीजी का परमार्श प्राप्त था -----	३
न्यायाग्रय पं. महेन्द्रकुमार जैन -----	७
डॉ. महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य का बहु आयामी व्यक्तित्व एवं वैदुष्य -----	१२
पं. महेन्द्रकुमारजीकी मृत्यु पर जैनसन्देश का सम्पादकीय -----	२६
डॉ. महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य द्वारा प्रतिपादित नियतिवाद एक समीक्षा -----	२९
खण्ड-३ – कृतियों की समीक्षाएँ	
तत्त्वार्थवृत्ति – एक अध्ययन – प्रो. उदयचन्द्र जैन -----	१
आचार्य अनन्तवीर्य की सिद्धिविनिश्चय टीका का वैदुष्यपूर्ण सम्पादन – एक समीक्षा – डॉ. दरबारीलाल कोठिया -----	१०
पं. महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य के द्वारा सम्पादित एवं अनूदित षड्दर्शनसमुच्चय की समीक्षा – डॉ. सागरमल जैन -----	१५
प्रमेयकमलमार्तण्ड का सम्पादन – एक समीक्षा – डॉ. फूलचन्द्र जैन प्रेमी -----	१९
डॉ. महेन्द्रकुमारजी द्वारा सम्पादित न्यायकुमुदचन्द्र – डॉ. जयकुमार जैन -----	२३
न्यायकुमुदचन्द्र और उसके सम्पादन की विशेषताएँ – डॉ. सुदर्शनलाल जैन -----	२५

न्यायविनिश्चयविवरण – एक मूल्यांकन – डॉ. शीतलचन्द्र जैन -----	२८
अकलंकदेव विरचित तत्त्वार्थवार्तिक का सम्पादन कार्य – एक समीक्षा – डॉ. फूलचन्द्र जैन प्रेमी -----	३०
अकलंक ग्रन्थत्रय – एक अनुचिन्तन – डॉ. कमलेशकुमार जैन -----	३४
विविध तीर्थकल्प एक समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. कस्तूरचन्द्र कासलीवाल -----	३८
जैनदर्शन – एक मौलिक चिन्तन – श्री निर्मल जैन -----	४३
खण्ड-४ – विशिष्ट निबन्ध	
अकलंकग्रन्थत्रय और उसके कर्ता -----	१
न्यायविनिश्चय और उसका विवेचन -----	७४
आचार्य प्रभाचन्द्र और उसका प्रमेयकमलमार्तण्ड -----	१२६
तत्त्वार्थवृत्ति और श्रुतसागरसूरि-----	१८५
जैनदर्शन और विश्वशान्ति -----	२५५
तत्त्वनिरूपण -----	२५८
षड्रव्य विवेचन -----	२८३
नय-विचार -----	३१२
अनेकान्तदर्शन की पृष्ठभूमि -----	३३३
अनेकान्तदर्शन का सांस्कृतिक आधार -----	३३८
क्या स्याद्वाद अनिश्चयवाद है -----	३४४
जैन अध्यात्म -----	३५३
निश्चयनय सर्वज्ञता और अध्यात्म भावना -----	३६०
प्राचीन नवीन या समीचीन-----	३७२
जैन अनुसंधान का दृष्टिकोण -----	३७४
सर्वोदय की साधना -----	३७६
नियतिवादी सद्दालपुत्र -----	३७९
श्रमण प्रभाचन्द्र -----	३८३
अमृतदर्शन -----	३८७
जटिल मुनि -----	३९०
तीर्थकर महावीर -----	३९३
खण्ड-५ – जैनन्याय विद्या का विकास – जैनदार्शनिक साहित्य	
जैन न्यायविद्याका विकास – डॉ. दरबारीलाल कोठिया -----	१
जैनदार्शनिक साहित्य – डॉ. महेन्द्रकुमार जैन -----	१४
परिशिष्ट-स्मृति ग्रन्थ प्रकाशन समिति के पदाधिकारी सम्पादक मण्डलका परिचय -----	२५